an>

Title: Need to give due recognition to an associate namely Jhalkari bai of Maharani Laxmibai who fought against the British in the First War of Independence.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : सभापति महोदया, आज हमारा देश स्वतंत्रता संग्राम की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतवर्ष को आजादी दिलाने वाली स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई बुंदेलखंड क्षेत्र के झांसी में 1957 में महारानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में लड़ी गई थी। महारानी लक्ष्मीबाई की हमशक्ल सहेली वीरांगना झलकारी बाई की स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में अहम भूमिका है, क्योंकि झांसी की रानी को जब अंग्रेजों द्वारा चारों ओर से घेर लिया गया था, तब उस समय महारानी लक्ष्मीबाई को बचाने में वीरांगना झलकारी बाई ने अहम् भूमिका अदा की थी। वीरांगना झलकारी बाई अनुसूचित जाति के कोरी समाज की बिरादरी से संबंध रखती है। आज पूरे देश में उनकी जन्मतिथि मनाई जा रही है। इसलिए आज के दिन मैं उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर प्राइमरी कक्षाओं में बच्चों को पाठ्यक्रम पढ़ाया जाए, ताकि उन्हें भी पता लगे कि हमारे देश में अनुसूचित जाति की महिलाओं में वीरांगना झलकारी बाई ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी थी। इसके अलावा इंडिया गेट पर एक शिलालेख लिखा जाए, जिसमें उनकी जीवन कथा लिखी जाए तथा लोक सभा में किसी भी जगह उनकी एक मूर्ति लगाई जाए।

महोदया, मैं विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में जो एक मैडिकल कालेज बन रहा है, मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि उस मैडिकल कालेज का नाम वीरांगना झलकारी बाई मैडिकल कालेज रखा जाए। क्योंकि इन्होंने महारानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में लड़ाई लड़ी थी। आज झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई मैडिकल कालेज है। इसलिए जनपद जालौन में जो एक मैडिकल कालेज बन रहा है, उसका नाम वीरांगना झलकारी बाई मैडिकल कालेज रखा जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।